अभ्यास प्रश्नपत्र 2020-21 विषय-हिंदी ऐच्छिक (कोड 002) कक्षा बारहवीं (सेट-2)

निर्धारित समय - 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देश:- निम्नलिखित निर्देशों का पालन कीजिए -

- **इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'अ' और खंड 'ब' । खंड 'अ' में वस्तुपरक और खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं ।**
- **खंड 'अ' में कुल 6 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।**
- **खंड 'ब' में कुल 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।**

प्रश्न संख्या	खंड 'अ' वस्तुपरक प्रश्न	अंक
	अपठित गद्यांश	(10)
प्रश्न 1.	**निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-** मनुष्य के जीवन में लक्ष्य का होना बहुत आवश्यक है। लक्ष्य के बिना जीवन दिशाहीन तथा व्यर्थ ही है। एक बार एक दिशाहीन युवा आगे बढ़े जा रहा था, राह में महात्मा जी की कुटिया देख रुककर महात्मा जी से पूछने लगा कि यह रास्ता कहाँ जाता है? महात्मा जी ने पूछा "तुम कहाँ जाना चाहते हो "? युवक ने कहा "मैं नहीं जानता मुझे कहाँ जाना है "। महात्मा जी ने कहा "जब तुम्हें पता ही नहीं है कि तुम्हें कहाँ जाना है, तो यह रास्ता कहीं भी जाए, इससे तुम्हें क्या फर्क पड़ेगा "? कहने का मतलब है कि बिना लक्ष्य के जीवन में इधर-उधर भटकते रहिये कुछ भी प्राप्त नहीं कर पाओगे। यदि कुछ करना चाहते हो तो पहले अपना एक लक्ष्य बनाओ और उस पर कार्य करो। अपनी राह स्वयं बनाओ वास्तव में जीवन उसी का सार्थक है जिसमें परिस्थितियों को बदलने का साहस है। गांधीजी कहते थे कुछ न करने से अच्छा है, कुछ करना। जो कुछ करता है वही सफल-असफल होता है। हमारा लक्ष्य कुछ भी हो सकता है, क्योंकि हर इंसान की अपनी-अपनी क्षमता होती है और उसी के अनुसार वह लक्ष्य निर्धारित करता है।जैसे विद्यार्थी का लक्ष्य है सर्वाधिक अंक प्राप्त करना तो नौकरी करने वालों का लक्ष्य होगा पदोन्नति प्राप्त करना। इसी तरह किसी महिला का लक्ष्य आत्मनिर्भर होना हो सकता है। ऐसा मानना है कि हर मनुष्य को बड़ा लक्ष्य बनाना चाहिए ,किन्तु बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य बनाने चाहिए। जब हम छोटे लक्ष्य प्राप्त कर लेते हैं तो बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का हममें आत्मविश्वास आ जाता है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि जीवन में एक ही लक्ष्य बनाओ और दिन-रात उसी के बारे में सोचो। स्वप्न में भी तुम्हें वही लक्ष्य दिखाई देना चाहिए, उसे पूरा करने की एक धुन सवार हो जानी चाहिए। बस सफलता आपको	

https://www.evidyarthi.in

	मिली ही समझो। सच तो यह है कि जब आप कोई काम करते हैं तो यह जरुरी नहीं कि सफलता मिले ही लेकिन असफलता से भी घबराना नहीं चाहिए। इस बारे में स्वामी विवेकानंद जी कहते हैं कि हजार बार प्रयास करने के बाद भी यदि आप हार कर गिर पड़े तो एक बार पुनः उठें और प्रयास करें। हमें लक्ष्य प्राप्ति तक स्वयं पर विश्वास रखना चाहिए।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	युवक कहाँ जा रहा था? i. दिशाहीन लक्ष्य की ओर ii. दिशासहित लक्ष्य की ओर iii. लक्ष्य की ओर iv. मंजिल की ओर	**1**
(ii)	किसी विद्यार्थी का लक्ष्य क्या होना चाहिए ? i. आत्मनिर्भर होना ii. सफल बनना iii. परीक्षा में उत्तीर्ण होना iv. सब से अधिक अंक पाना	**1**
(iii)	i. किसी महिला का लक्ष्य क्या होना चाहिए ? ii. आत्मनिर्भर बनना iii. परावलंबी बनना iv. खुश होना v. गृहस्थ बनना	**1**
(iv)	व्यक्ति अपना लक्ष्य कैसे निर्धारित करता है ? i. अपनी क्षमता के अनुसार ii. अपने सुख के अनुसार iii. अपने दुःख के अनुसार iv. अपने कार्य के अनुसार	**1**
(v)	छोटे लक्ष्य प्राप्त करने पर क्या होता है? i. मनुष्य का लक्ष्य पूरा हो जाता है। ii. मनुष्य में आत्मविश्वास आ जाता है। iii. मनुष्य सुखी हो जाता है। iv. मनुष्य दुखी हो जाता है।	**1**
(vi)	किसका जीवन सार्थक है ? i. जो परिस्थितियों को बदलने का साहस रखता है। ii. जो परिस्थितियों को बदलने का साहस नहीं रखता है। iii. जो इधर - उधर भटकता रता है। iv. जो लक्ष्य की प्राप्ति नहीं कर पाता।	**1**

https://www.evidyarthi.in

(vii)	बड़े तक्ष्य को प्राप्त करने के लिए क्या करना चाहिए? i. छोटे - छोटे लक्ष्य बनाने चाहिए ii. बड़े - बड़े लक्ष्य बनाने चाहिए। iii. छोटे - छोटे लक्ष्य नहीं बनाने चाहिए। iv. छोटे - बड़े लक्ष्य बनाने चाहिए।	**1**
(viii)	लक्ष्य के बिना जीवन कैसा हो जाता है? i. दिशाहीन ii. व्यर्थ iii. दिशाहीन, व्यर्थ iv. आत्मविश्वासी	**1**
(ix)	हमें कब तक स्वयं पर विश्वास रखना चाहिए ? **i.** लक्ष्य प्राप्ति तक ii. लक्ष्य प्राप्त न होने पर iii. असफलता मिलने पर iv. प्रयास न करने पर	**1**
(x)	'असफल' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है - i. अ ii. अस iii. सफल iv. ल	**1**
	अथवा	
	किसी भी समाज में इने - गिने लोगों को 'अमिताभ बच्चन' 'दिलीप कुमार' कहकर ताना दिया जाता है लेकिन किसी भी व्यक्ति को परिस्थितियों का औचित्य देखते हुए 'चार्ली' या 'जॉनी वाकर' कह दिया जाता है। यह स्वयं एक स्वीकारोक्ति है कि हमारे बीच नायक कम हैं जबकि हर व्यक्ति दूसरे को कभी न कभी विदूषक समझता है। दरअसल मनुष्य स्वयं ईश्वर या नियति का विदूषक, क्लाउन, जोकर या साइड-किक है । यह अकारण नहीं हैं कि महात्मा गांधी में चार्ली चैप्लिन का खासा पुट था और गांधी और नेहरू दोनों ने कभी चार्ली का सान्निध्य चाहा था। चार्ली के नितांत अभारतीय सौंदर्यशास्त्र की इतनी व्यापक स्वीकृति देखकर राजकपूर ने भारतीय फिल्मों का एक सबसे साहसिक प्रयोग किया। 'आवारा' सिर्फ 'दि ट्रैम्प' का शब्दानुवाद ही नहीं था बल्कि चार्ली का भारतीयकरण ही था। वह अच्छा ही था कि राजकपूर ने चैप्लिन की नकल करने के आरोपों की परवाह नहीं की। राजकपूर के 'आवारा' और 'श्री 420' के पहले फिल्मी नायकों पर हँसने की और स्वयं नायकों के अपने पर हँसने की परंपरा नहीं थी। 1953-57 के बीच जब चैप्लिन अपनी गैर - ट्रैम्पुम्मा अंतिम फ़िल्में बना रहे थे तब तक राजकपूर चैपलिन का युवा अवतार ले रहे थे। फिर तो दिलीप कुमार (बाबुल, शबनम, कोहिनूर,लीडर, गोपी), देव आनंद (नौ दो ग्यारह, फंटूश, तीन देवियाँ), शम्मी	

https://www.evidyarthi.in

	कपूर, अमिताभ बच्चन (अमर अकबर एंथनी) और श्रीदेवी तक किसी-ना-किसी रूप से चैप्लिन का ऋण स्वीकार कर चुके हैं। बुढ़ापे में जब अर्जुन अपने दिवंगत मित्र कृष्ण की पत्नियों को डाकुओं से न बचा सके और हवा में तीर चलाते रहे तो यह दृश्य करुण और हास्योत्पादक दोनों था किंतु महाभारत में सिर्फ उसकी त्रासद व्याख्या स्वीकार की गई । आज फ़िल्मों में किसी नायक को झाड़ुओं से पिटता भी दिखाया जा सकता है लेकिन हर बार हमें चार्ली की ही ऐसी फरजीहतें याद आती हैं।चार्ली की अधिकांश फ़िल्में भाषा का इस्तेमाल नहीं करतीं। इसलिए उन्हें ज्यादा-से-ज्यादा मानवीय होना पड़ा। सवाक चित्रपट पर कई बड़े-बड़े कॉमेडियन हुए हैं, लेकिन वे चैप्लिन की सार्वभौमिकता तक क्यों नहीं पहुँच पाए इसकी पड़ताल अभी होने को है। चार्ली का चिर - युवा होना या बच्चों जैसा दिखना एक विशेषता तो है ही, सबसे बड़ी विशेषता शायद यह है कि वे किसी भी संस्कृति को विदेशी नहीं लेते। यानी उनके आसपास जो भी चीजें, खलनायक, दुष्ट औरतें आदि रहती हैं वे एक सतत 'विदेश' या 'परदेस' बन जाते हैं और चैप्लिन 'हम' बन जाते हैं। चार्ली के सभी संकटों में हमें यह भी लगता है कि यह 'मैं' भी हो सकता है, लेकिन 'मैं से ज्यादा चार्ली हमें 'हम' लगते हैं। यह संभव है कि कुछ अर्थों में 'बस्टर कीटन' चार्ली चैप्लिन से बड़ी कॉम - प्रतिभा हो लेकिन कीटन हास्य का काफ्का है जबकि चैपलिन प्रेमचंद के ज्यादा नज़दीक हैं।एक होली का त्योहार छोड़ दें तो भारतीय परंपरा में व्यक्ति के अपने पर हँसने, स्वयं को जानते-बूझते हास्यास्पद बना डालने की परंपरा नहीं के बराबर है। गाँवों और लोक - संस्कृति में तब भी वह शायद हो, नागर सभ्यता में तो वह नहीं है । चैंप्लिन का भारत में महत्त्व यह है कि वह अंग्रेजों जैसे 'व्यक्तियों पर हँसने का अवसर देते हैं। चार्ली स्वयं पर सबसे ज्यादा तब हँसता है जब वह स्वयं को अभिमोन्मत्त, आत्म - विश्वास से लबरेज़, सफलता, सभ्यता, संस्कृति और समृद्धि की प्रतिमूर्ति, दूसरों से ज्यादा प्रतिस्पर्धी और श्रेष्ठ, अपने 'वज्रादपि कठोराणि' या 'मृदुनी कुसुमादपि' क्षण में दिखलाता है। तब यह समझिए कि कुछ ऐसा हुआ ही चाहता है कि यह सारी गरिमा सुई - चुभे जैसी ही फुस्स हो उठेगी ।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	चार्ली चैपलिन का युवा अवतार किसे कहा जाता है ? i. शम्मी कपूर ii. दिलीप कुमार iii. राजकपूर iv. अमिताभ बच्चन	**1**
(ii)	चार्ली चैपलिन किसके ज़्यादा नजदीक हैं? i. प्रेमचंद ii. बस्टर कीटन iii. राजकपूर iv. काफ्का	**1**

(iii)	किस फिल्म से नायक पर हँसने की परंपरा की शुरुआत हुई ? i. गोपी ii. दि ट्रैम्प iii. लीडर iv. श्री 420	**1**
(iv)	चार्ली की अधिकांश फिल्में कैसी होती थी ? i. सवाक् ii. विदेशी iii. मूक iv. हास्य	**1**
(v)	भाषा का कम इस्तेमाल करने के कारण चार्ली की फिल्में कैसी होती थी ? i. अमानवीय ii. प्रेम iii. हास्य iv. मानवीय	**1**
(vi)	कौन सी भारतीय फिल्म चार्ली का भारतीयकरण थी ? i. आवारा ii. दि ट्रैम्प iii. कोहिनूर iv. श्री 420	**1**
(vii)	चार्ली की नकल को भारतीय फिल्मों में लाने का श्रेय किसको जाता है? i. देव आनंद ii. शम्मी कपूर iii. राजकपूर iv. बस्टर कीटन	**1**
(viii)	फिल्मों में चार्ली की संकटों को देखकर कैसा महसूस होता है ? i. हम ही चार्ली हैं ii. चार्ली का बच्चा दिखना iii. हास्यास्पद iv. रोने जैसा	**1**
(ix)	प्रस्तुत गद्यांश किसके विषय में है ? i. राज कपूर ii. चार्ली चैपलिन iii. बस्टर कीटन iv. अमिताभ बच्चन	**1**

evidyarthi

(x)	बस्टर कीटन की तुलना किससे की गई है? i. महात्मा गांधी ii. प्रेमचंद iii. काफ्का iv. प्रेमचंद	**1**
	अपठित पद्यांश	**(8)**
प्रश्न 2.	**निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-** मैंने झुक नीचे को देखा तो झलकी आशा की रेखा - विप्रवर स्नान कर चढ़ा सलिल शिव पर दूर्वादल, तंदुल, तिल, लेकर झोली आए ऊपर देखकर चले तत्पर वानर द्विज रामभक्त, भक्ति की आश भजते शिव को बारहों मास। कर रामायण का पारायण जपते हैं श्रीमन्नारायण। दुःख पाते जब होते अनाथ, कहते कपियों के जोड़ हाथ। मेरे पड़ोस के ये सज्जन, करते प्रतिदिन सरिता मज्जन। झोली से पुए निकाल लिए बढ़ते कपियों के हाथ दिये। देखा भी नहीं उधर फिर कर जिस ओर रही वह भिक्षु इतर। चिल्लाया किया दूर दानव, बोला मैं-धन्य, श्रेष्ठ मानव'।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	कवि ने नीचे क्या देखा? i. ऊपर आते एक ब्राह्मण ii. नीचे जाते एक ब्राह्मण iii. पूजा करते एक ब्राह्मण iv. स्नान करते एक ब्राह्मण	**1**
(ii)	स्नान करने के पश्चात् विप्रवर क्या करते थे? i. ऊपर आ जाते थे ii. घर चले जाते थे iii. रामायण पढ़ते थे iv. ध्यान करते थे	**1**
(iii)	विप्र ने पुए किसे खाने को दिए? i. भिक्षुक को ii. कवि को iii. बंदरों को iv. कपि को	**1**
(iv)	कवि ने मानव को धन्य किस शैली में कहा है? i. व्यंग्यात्मक शैली में	**1**

https://www.evidyarthi.in

	ii. करुणामयी शैली में iii. प्रश्नात्मक शैली में iv. आशावादी शैली में	
(v)	कवि को क्या आशा थी? i. कि विप्र भिक्षुक को खाना देगा। ii. कि विप्र भिक्षुक को खाना नहीं देगा iii. कि विप्र अच्छा व्यक्ति है। iv. कि विप्र अच्छा व्यक्ति नहीं है।	**1**
(vi)	मज्जन का अर्थ है? i. स्नान ii. याद iii. विस्मृत iv. उपर्युक्त में से कोई नहीं	**1**
(vii)	'दूर दानव' में कौन सा अलंकार है ? i. उपमा ii. रूपक iii. अनुप्रास iv. उत्प्रेक्षा	**1**
(viii)	'प्रतिदिन' में कौन सा समास है ? i. तत्पुरुष ii. कर्मधारय iii. अव्ययीभाव iv. बहुव्रीहि	**1**
	अथवा	
	वह तोड़ती पत्थर; देखा मैंने उसे इलाहाबाद के पथ पर- वह तोड़ती पत्थर। कोई न छायादार पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार; श्याम तन, भर बंधा यौवन, नत नयन, प्रिय-कर्म-रत मन, गुरु हथौड़ा हाथ, करती बार-बार प्रहार:- सामने तरु-मालिका अट्टालिका, प्राकार। चढ़ रही थी धूप;	

https://www.evidyarthi.in

	गर्मियों के दिन, दिवा का तमतमाता रूप; उठी झुलसाती हुई लू रुई ज्यों जलती हुई भू, गर्द चिनगीं छा गई, प्रायः हुई दुपहर :- वह तोड़ती पत्थर। देखते देखा मुझे तो एक बार उस भवन की ओर देखा, छिन्नतार; देखकर कोई नहीं, देखा मुझे उस दृष्टि से जो मार खा रोई नहीं, सजा सहज सितार, सुनी मैंने वह नहीं जो थी सुनी झंकार। एक क्षण के बाद वह काँपी सुघर, दुलक माथे से गिरे सीकर, लीन होते कर्म में फिर ज्यों कहा- "मैं तोड़ती पत्थर।"	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	'दुलक माथे से गिरे सीकर' - पंक्ति में 'सीकर' शब्द का अर्थ है - i. पसीना ii. बूंद iii. रक्त iv. पत्थर	**1**
(ii)	काव्यांश में दोपहर का वातावरण कैसा बताया गया है? i. हलकी हवा से युक्त ii. आकाश में मेघो से युक्त iii. गर्म लू से युक्त iv. कम धूप से युक्त	**1**
(iii)	'नत नयन, प्रिय कर्म रत मन' से अभिप्राय है i. झुके हुए सुंदर नयन, कर्म साधना में लीन ii. सुंदर नयन होने के कारण झुककर काम करना iii. नयन के झुकने के कारण काम करना iv. उसका कामचोर होना	**1**
(iv)	भूमि किसके समान जल रही थी?	**1**

https://www.evidyarthi.in

	i. रुई के समान ii. तवे के समान iii. अँगीठी के समान iv. रह रह कर जल रही थी	
(v)	'दोपहर' शब्द में कौनसा समास है - i. कर्मधारय समास ii. बहुव्रीहि समास iii. अव्ययीभाव समास iv. द्विगु समास	**1**
(vi)	उपर्युक्त पक्तियों में काव्य- गुण कौन सा है? i. प्रसाद ii. माधुर्य iii. ओज iv. इन में से कोई नहीं	**1**
(vii)	निम्नलिखित में से उत्प्रेक्षा का उदाहरण कौन सा है? i. सजा सहज सितार ii. रुई ज्यों जलती हुई भू, iii. सामने तरु-मालिका अट्टालिका iv. करती बार-बार प्रहार	**1**
(viii)	इस कविता में कौन सा रस विद्यमान है? i. शांत ii. करुण iii. रौद्र iv. वीभत्स	**1**
	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन	**(5)**
प्रश्न 3.	**निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -**	**5x1=5**
(i)	इंटरनेट पर अखबारों के प्रकाशन या ख़बरों का आदान प्रदान क्या कहलाता है? i. पत्रिका प्रकाशन ii. इंटरनेट पत्रकारिता iii. खोजपरक पत्रकारिता iv. उपरोक्त सभी	**1**
(ii)	दृश्य-प्रिंट जनसंचार माध्यम का उदाहरण हो सकते हैं -श्रव्य- i. टीवी रेडियो--कागज़ ii. टीवी समाचारपत्र-रेडियो- iii. सिनेमाइंटरनेट-आकाशवाणी-	**1**

eVidyarthi

	iv. समाचार पत्रटीवी-रेडियो-	
(iii)	फ्रीलांसर पत्रकार कौन होता है? i. पूर्णकालिक पत्रकार ii. अंशकालिक पत्रकार iii. स्वतन्त्र पत्रकार iv. अर्धकालिक पत्रकार	**1**
(iv)	रेडियो समाचार की कॉपी की प्रत्येक लाइन में कितने शब्द होने चाहिए? i. 11-12 शब्द ii. 14-15 शब्द iii. 12-13 शब्द iv. 11-12 शब्द	**1**
(v)	संचार प्रक्रिया की शुरुआत कहाँ से होती है? i. प्राप्तकर्ता ii. सन्देश iii. संचारक iv. माध्यम	**1**
	पाठ्य-पुस्तक	**(10)**
प्रश्न 4.	**निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-** आह!वेदना मिली विदाई ! मैंने भ्रमवश जीवन संचित , मधुकरियों की भीख लुटाई। छलछल थे सन्ध्या के श्रमकण, आँसू से गिरते थे प्रतिक्षण।- मेरी यात्रा पर लेती थी- नीरवता अनन्त अंगड़ाई।	**5x1=5**
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	देवसेना को जीवन यात्रा में क्या प्राप्त हुआ? i. प्रियजन का बिछोह ii. संतुष्ट जीवन iii. स्कंदगुप्त की जीवन संगिनी बनना। iv. उपरोक्त सभी	**1**
(ii)	देवसेना यह पंक्तियाँ किसे कह रही है? i. स्कन्दगुप्त को ii. स्वयम् को iii. आश्रमवासियों को	**1**

evidyarthi

	iv. चन्द्रगुप्त को	
(iii)	नीरवता अनन्त अंगड़ाई में कौन सा अलंकार है? i. रूपक ii. श्लेष iii. उत्प्रेक्षा iv. मानवीकरण	**1**
(iv)	देवसेना किसे प्रेम करती थी? i. चन्द्रगुप्त ii. विक्रमगुप्त iii. स्कन्दगुप्त iv. उपरोक्त में से कोई नहीं	**1**
(v)	इस गीत के रचयिता कौन हैं? i. विष्णु खरे ii. रघुवीर सहाय iii. जयशंकर प्रसाद iv. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	**1**
प्रश्न 5.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए।** एक मिल मालिक के दिमाग में अजीब अजीब ख्याल आया करते थे जैसे सारा संसार मिल हो जाएगा,सारे लोग मजदूर और वह उनका मालिक या मिल में और चीज़ों की तरह आदमी भी बनने लगेंगे,तब मज़दूरी भी नहीं देनी पड़ेगी,वगैरा वगैरा।एक दिन उसके दिमाग में ख्याल आया कि अगर मज़दूरों के चार हाथ हों तो काम कितनी तेज़ी से हो और मुनाफा कितना ज़्यादा।लेकिन यह काम करेगा कौन?उसने सोचा,वैज्ञानिक करेंगें, ये हैं किस मर्ज की दवा?उसने यह काम करने के लिए बड़े वैज्ञानिकों को मोटी तनख्वाहों पर नौकर रखा और वे नौकर हो गए।कई साल तक शोध और प्रयोग करने के बाद वैज्ञानिकों ने कहा ऐसा असम्भव कि आदमी के चार हाथ हो जाएँ।	**5x1=5**
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(i)	प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से अवतरित है? i. जहाँ कोई वापसी नहीं ii. लघुकथा-शेर iii. लघुकथा-पहचान iv. लघुकथा-चार हाथ	**1**
(ii)	इस पाठ के लेखक का क्या नाम है? i. असग़र वजाहत ii. निर्मल वर्मा iii. ब्रजमोहन व्यास	**1**

evidyarthi

	iv. चंद्रधर शर्मा'गुलेरी'	
(iii)	मिल मालिक के ख्याल पर किसने पानी फेर दिया? i. मज़दूरो ने ii. वैज्ञानिकों ने iii. नौकरों ने iv. उपरोक्त सभी ने	**1**
(iv)	मिल मालिक द्वारा मज़दूरों के चार हाथ लगवाने के क्या उद्देश्य था? i. काम को शीघ्रता से करवाना ii. उत्पादन बढ़ाना iii. मज़दूरों को ताकतवर बनाना iv. क व ख दोनों	**1**
(v)	वैज्ञानिकों को नौकर किसने बनाया? i. शोषितों ने ii. पूंजीपति ने iii. क व ख दोनों ने iv. उपरोक्त में से कोई नही	**1**
	पूरक पाठ्य-पुस्तक	**(07)**
प्रश्न 6.	**निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -**	
(i)	सूरदास आग की राख में क्या ढूँढ़ रहा था? i. अपने रुपयों की थैली ii. बर्तन iii. छड़ी iv. कुछ नहीं	**1**
(ii)	कोइयाँ क्या है? i. एक जलपुष्प है ii. इसे कुमुद भी कहते हैं iii. इसे कोका बेली भी कहते हैं iv. उपर्युक्त सभी	**1**
(iii)	हाथीपाला नाम क्यों पड़ा? i. वहाँ हाथी पाले जाते थे ii. वहाँ कबी नदी पार करने के लिये हाथी पर बैठकर जाना पड़ता था। iii. वहाँ पर हाथियों की पूजा की जाती थी iv. उपरोक्त सभी	**1**
(iv)	सुभागी के पति का क्या नाम था? i. भैरोसिंह	**1**

evidyarthi

	ii. भूपसिंह iii. जगधर iv. रूपसिंह	
(v)	देवकुंड के स्टॉप पर कौन उतरा? i. रूपसिंह ii. भूपसिंह iii. शेखर कपूर iv. रूपसिंह और शेखर कपूर	1
(vi)	महीप की माँ का क्या नाम था? i. सुभागी ii. शैला iii. पारो iv. सुशीला	1
(vii)	शरद में कौन सा फूल खिलता है? i. हरसिंगार ii. कमल iii. गुलाब iv. चमेली	1
	खंड 'ब' वर्णनात्मक प्रश्न	
	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन	(20)
प्रश्न 7.	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :-** I. दिखावे की संस्कृति II. ग्रामीण जीवन III. मधुर वचन हैं औषधि, कटुक वचन हैं तीर।	5x1=5
प्रश्न 8.	आपके क्षेत्र में स्थित एक औद्योगिक संस्थान का गंदा पानी आपके नगर की नदी को दूषित कर रहा है। प्रदूषण नियंत्रण विभाग के मुख्य अधिकारी को पत्र द्वारा इस समस्या से अवगत कराइए। **अथवा** दिल्ली नगर निगम में लिपिक पद के लिए निगम के अध्यक्ष को स्ववृत्त सहित आवेदन पत्र लिखिए।	5x1=5
प्रश्न 9.	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए-	5
(i)	विशेष रिपोर्ट मुख्यतः कितने प्रकार की होती है? **अथवा** फ़ीचर कितने प्रकार के होते हैं? लिखिए।	3
(ii)	बीट किसे कहते हैं?	2

evidyarthi

	अथवा रेडियो माध्यम की कोई दो कमियाँ बताइये ।	
प्रश्न 10.	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 - 50 शब्दों में लिखिए-	**5**
(i)	रेडियो के लिए समाचार लेखन करते समय किन किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? **अथवा** इंटरनेट पत्रकारिता के अत्यंत लोकप्रिय होने के प्रमुख कारण क्या हैं?	**3**
(ii)	बीट रिपोर्टिंग और विशेषीकृत रिपोर्टिंग में क्या अंतर है? **अथवा** संपादकीय लेख किसे कहते हैं? अच्छे संपादकीय लेख की कोई दो विशेषताएँ बताइए।	**2**
	पाठ्य-पुस्तक	**(20)**
प्रश्न 11.	**निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 - 60 शब्दों में लिखिए-**	**6**
(i)	'कार्नेलिया का गीत' कविता में कवि ने भारत भूमि के प्राकृतिक सौंदर्य को किस प्रकार व्यक्त किया है?	**3**
(ii)	'एक कम' कविता में " मैं तुम्हारा विरोधी, प्रतिद्वन्द्वी या हिस्सेदार नहीं" से कवि का क्या आशय है?	**3**
(iii)	" फरै कि कोदव बालि सुसाली। मुकता प्रसव कि संबुक काली।" पंक्ति में छिपे भाव को स्पष्ट कीजिए।	**3**
प्रश्न 12.	**निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नो के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए-**	**4**
(i)	'वसंत आया' कविता में कवि की चिंता क्या है?स्पष्ट कीजिए।	**2**
(ii)	'युधिष्ठिर जैसा संकल्प' से क्या अभिप्राय है? 'सत्य' कविता के सन्दर्भ में बताइए।	**2**
(iii)	"कोकिल कलरव, मधुकर- धुनि सुनि, कर देइ झांपई कान।" पंक्ति में निहित विरह भाव को स्पष्ट कीजिए।	**2**
प्रश्न 13.	**निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नो के उत्तर लगभग 50 -60 शब्दों में लिखिए-**	**6**
(i)	शुक्ल जी ने अपने संस्मरण में चौधरी साहब के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं को उजागर किया है?	**3**
(ii)	"बालक बच गया" पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि बालक की प्रवृत्तियों का गला किस प्रकार घोंटा जा रहा था?	**3**
(iii)	औद्योगीकरण ने पर्यावरण के संकट को किस प्रकार पैदा कर दिया है?	**3**
प्रश्न 14.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए-**	**4**
(i)	बड़ी बहुरिया अपने मायके संदेश क्यों भेजना चाहती थी?	**2**
(ii)	" मनोकामना की गांठ भी अद्भुत, अनूठी है, इधर बांधों उधर लग जाती है।" कथन के आधार पर पारो की मनोदशा का वर्णन कीजिए।	**2**
(iii)	आधी आधी फसल किसान और हाथी के बीच किस प्रकार बंटी ?	**2**

https://www.evidyarthi.in